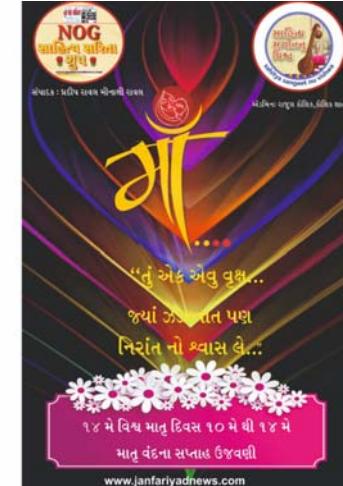
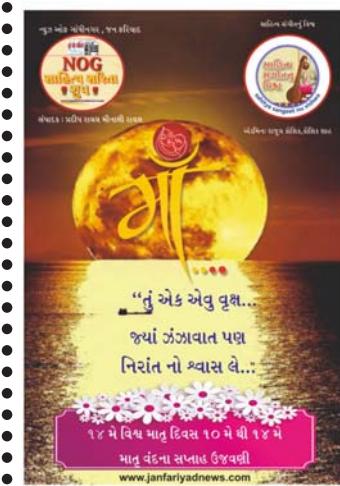


सही प्रसव पीड़ा, मध्य ठेड़ जगत छेंयु,
अनंत उपकारे पड़ी, सेवन करते रहे थे!
लाजना श्रोड अंतरे खुरे, तो हुं अनंत बोगुत!.
अते तो ममतानु रुध, मीन रही शरेहे थे!
व्यापाना तरस्य लगे, पापा पागली भरे,
इरे लाध इरीकारे, ममतानु श्रीट वटवास थे!
जब दीशो जगते तो, जबन! तारी उपारी करे,
सक्षम अर्द्ध दृष्टि, लाजनीमां एक टर्कु थे!
तुं दरियो छेवय ममतानो, तारा रखेही शीश पढ़े,
कर्म वणतरे एवंतु, ज्यापे जेटवु माराची थे!
न चुक्याया न चुक्या शक्ये, छं धायु खरे,
मा भा छे! नाम एतेहे ज भेनुं जगतजनी थे!
-शीशा ताजापारा (जूपार)



ऐ मा जहुती...

रोटीना बे भाग करती, ने संतानोने आपती
पोते भूमी रहती, ने खोया ओडार आपती
बापनु कर पतिनु थे ने दीकरानु वर करती
छतां ढर्क घरने ए पातानु वर मानती
छाती रहतो अपती, ने खोया अंसु रहती
अखायारी आकड़ रहते, ए ज लाली शब ननी
ठिक्कने पाण जग्न रहता, मा नी जूरा पड़ती,
छतां तने ज्यर ना पे, ऐतु रेख ए सोभानी
जब आपी पोतानी दूधेही, लसनु मुख रापती
संतानाना नामनी पालण, बापनु नाम लाजपती
नव नव महिलानी पीड़ा, लसनु मुख सहन रहती
एक रुही नवो जन्म वर्दी, त्यारे मा भनती...
-जूदिशन दाही (बोयाद)



बाजना सुनकाळ बारेमध्य अपेक्षा पालती

गोव विष कंसर ना, माता रिना संसर ना

शुद्ध भवो भोरारे रापी हुआ मा अलवती

ज्येष्ठ लालु आ जगत आपुय फोरीने पषा

छे अनोपु रुप ऐनु, मा! प्रलु तम लाजपती

-नारा पटेव, "अंतराना", (नवसरी)



‘मा’

तुं ज मारी वल्लभी, ने मा तुं ज मारी तक्षिला छी.
तुं प्रमथ युर, ने मा तुं ज सुन्ध-विला छी.

जब, रिव ना ग्रेव, ग्रेवां, हुं तारो अंकने अँगु,

चार रें ने ज्य-माना, मा तुं ज यां रीतो छी.

अर्धमन्दू दूक पै, जे माता गवितश्चाली,

मुम लेंद बा भुख उकलती, तुं ज शृदिव लीला छी.

नित वर्ती निर्मल धारा, दैये देतना हुं भया,

पात धोवा सारे आपती, तुं तरिक तरस्वी छी.

उम तरी शक्त हुं आ भवरायरो सियु,

रामेश्वरा सेतुरी, मा तुं ज तारी रापा छी.

प्रकामा देंद हीप, मा तव चर्य वहन छं,

दे रे परिकम गोवेश्च, मा प्रथम पूज्य पेवां छी.

-हीप वारेवा "दीप" (सिलेरो)

‘मा’!

अदी वर्षनी दीगलीने नृत्य शीजवारी स्टेज पर पहिर्म दरवती
मारी मा!
चार दिकरीने पूछ्या विना हुव तोउं ए दोरी छेवय
ते शीजवती मा
गजिनी गमत साचे बापानु पषा बान आपती मारी मा
सा रे ग म नी संगमनी साचे रेस गरावा पषा शीजवती मा
भरत गृहां अने चित्रकारी एक निपुणानी जें दरवती मारी मा
पात धोवा सारे आपती, तुं तरिक तरस्वी छी
उम तरी शक्त हुं आ भवरायरो सियु,



‘मा’

हुं अदी मवकाउ मनमां ने त्यां जुख थर्द जय मा!
अंगमां आसुं हुं अदी वरसातु, त्यां लिय या!
मारा हुं दुझी थर्द हुर रही रही छरपाय मा!
अन हमेशा ईनाम मेने मारा रवां पुरु पोसाती मा
संसारी मवलूत जू दोरी रेह पाली पीवत्राती मारी मा
ज्वननी परिकमा ज्या पाला पञ्चा तो तर टेको दोरी मा!



‘मा’

चाल हवे आगण वप, लारवानु नवीनो पड़उर आपती मारी मा
ज्वननी गमतेरों ऊखे ने पेगवे सहाये आपती मा
ज्यापे हुं मा भी त्यरे पषा मा बनी रापेवी मारी मा
ज्वन घरदाना पाठ मारा भाजकोने पषा भजाती मा
भाषावाता भाषावाता मारा भाषावी पषा पाठ भजाती मा
स्मर्टकैन, लोपेटैप, वंतरायंप, केसकूल सहजात्या वापती मा
ओंती वर्ष पषा आउटरेट ना लागती ए मारी मा
इयाना आशीर्वाद सभी लाजपती मा
भवोभव घरदानां मांजेवी ए मारी मा!!!
-प्रति अदीदार (ठेडा)



‘मा..’

हुं अदी मवकाउ मनमां ने त्यां जुख थर्द जय मा!
अंगमां आसुं हुं अदी वरसातु, त्यां लिय या!
मारा हुं दुझी थर्द हुर रही रही छरपाय मा!
अन हमेशा ईनाम मेने मारा रवां पुरु पोसाती मा
संसारी मवलूत जू दोरी रेह पाली पीवत्राती मारी मा
ज्वननी परिकमा ज्या पाला पञ्चा तो तर टेको दोरी मा!



‘मा..’

चाल हवे आगण वप, लारवानु नवीनो पड़उर आपती मारी मा
ज्वननी गमतेरों ऊखे ने पेगवे सहाये आपती मा
ज्यापे हुं मा भी त्यरे पषा मा बनी रापेवी मारी मा
ज्वन घरदाना पाठ मारा भाजकोने पषा भजाती मा
भाषावाता भाषावाता मारा भाषावी पषा पाठ भजाती मा
स्मर्टकैन, लोपेटैप, वंतरायंप, केसकूल सहजात्या वापती मा
ओंती वर्ष पषा आउटरेट ना लागती ए मारी मा
इयाना आशीर्वाद सभी लाजपती मा
भवोभव घरदानां मांजेवी ए मारी मा!!!
-प्रति अदीदार (ठेडा)



‘मा..’

मा वालस्यो दियो तेना विनांतु ज्वन बने आरो कंटक,
मा बाजकी भूवोने राह चालीने बनी अधीपम बड़!



‘ममतानी मा’

मा वालस्यो दियो तेना विनांतु ज्वन बने आरो कंटक,
मा बाजकी भूवोने राह चालीने बनी अधीपम बड़!



‘मा..’

दार धोवाने चाली, ज्यां ले शोंधु तो?
मा थरने तुं रेसारी, ज्यां ले शोंधु तो?
सुप तो भर्यूर छं महियना अंगमां छात,
भीट लु लागे छं तारी, ज्यां ले शोंधु तो?



‘मा..’

दार धोवाने चाली, ज्यां ले शोंधु तो?
मा थरने तुं रेसारी, ज्यां ले शोंधु तो?
सुप तो भर्यूर छं महियना अंगमां छात,
भीट लु लागे छं तारी, ज्यां ले शोंधु तो?



‘मा..’

दार धोवाने चाली, ज्यां ले शोंधु तो?
मा थरने तुं रेसारी, ज्यां ले शोंधु तो?
सुप तो भर्यूर छं महियना अंगमां छात,
भीट लु लागे छं तारी, ज्यां ले शोंधु तो?



‘मा..’

दार धोवाने चाली, ज्यां ले शोंधु तो?
मा थरने तुं रेसारी, ज्यां ले शोंधु तो?
सुप तो भर्यूर छं महियना अंगमां छात,
भीट लु लागे छं तारी, ज्यां ले शोंधु तो?

‘मा..’

दार धोवाने चाली, ज्यां ले शोंधु तो?
मा थरने तुं रेसारी, ज्यां ले शोंधु तो?
सुप तो भर्यूर छं महियना अंगमां छात,
भीट लु लागे छं तारी, ज्यां ले शोंधु तो?

‘मा..’

दार धोवाने चाली, ज्यां ले शोंधु तो?
मा थरने तुं रेसारी, ज्यां ले शोंधु तो?
सुप तो भर्यूर छं महियना अंगमां छात,
भीट लु लागे छं तारी, ज्यां ले शोंधु तो?

‘मा..’

दार धोवाने चाली, ज्यां ले शोंधु तो?
मा थरने तुं रेसारी, ज्यां ले शोंधु तो?
सुप तो भर्यूर छं महियना अंगमां छात,
भीट लु लागे छं तारी, ज्यां ले शोंधु तो?

‘मा..’

दार धोवाने चाली, ज्यां ले शोंधु तो?
मा थरने तुं रेसारी, ज्यां ले शोंधु तो?
सुप तो भर्यूर छं महियना अंगमां छात,
भीट लु लागे छं तारी, ज्यां ले शोंधु तो?

‘मा..’

दार धोवाने चाली, ज्यां ले शोंधु तो?
मा थरने तुं रेसारी, ज्यां ले शोंधु तो?
सुप तो भर्यूर छं महियना अंगमां छात,
भीट लु लागे छं तारी, ज्यां ले शोंधु तो?

‘मा..’

14 मे "विश्व मातृ दिवस" १० में थी १४ मे मातृ वंदना सप्ताह उत्सव

नृग्रह गांधीनगर जन इवियाए
NOG में १५ मे २०२३

संपादक: प्रभाप रायबोनारो रायब

साहित्य संगीतनु विष्णु

अधिकारी: राजू कोरिंग, कॉर्निंग राय

"मा एक ऐसु वटवृक्ष के ज्या ऊँवात पश निरात नो श्वास ले छ"

मां... ते केंद्री?

मारी मां जीवा, के मुख्या जीवा के आ हुनिया नी देक मां जीवा...

आम तो बीका ससली,

पश समझ आये खिलौ.

सतत लाग्याईओ थोप वेदवायती....

पोतानु अस्तित्व गुणवती,

सदाय बीज भेदे ज्यवती...

बहु सम्भवा छात्न भोताने पूर्णमा खापवाया समझदारी राखती.

सहन शीलता नी मूर्ति भां....

तारा दिशे शु वषु... केम लाय?

कदाय ठियर ने कहु ने शब्द लाय तो तेनी कलम पश नानी पडे....

माझु... अम तो तु शब्द जीवा नो नाथ,

पश एना विना तो तु पश आया....

सदाय निश्वार्थ प्रेम नी गंगा वहावती,

प्रभु अना प्रेम आगाम क्वारेट तने पश हंडवती...

समुद्र थी विश्वा हृदय धरवती...

बमा नो आगो शे दरियो

जीवांशी तास अस्तित्व...

जीवांशी वजूद वाले...

ते मां तो शु वष मां एक ज दी होय?

-निरी शाई (सुरत)

मने शु जींजे तेनी मने नवी भजर, अंगो मीवीने पक्को

हांड आपो ने क्वारेट देन जापे क्वांक पहोची

गई होय.

शैशवा शमणां क्वारेट ताज्ज स्ट्रोवीना जूजुसनी क्वेम

गजनु छु.

मारी बांनी पछीना कटेक्की सोयरो रेसे वाही अंपवोनी

पाल्को नानको भनु मालकी बानी अंगाली पक्की भेतरना

शेडे तुम्हु चालो देखाय छे.

थो सहेज तेने ते भेसोने हयो पाली पावा लाई जान आपी गयु छु.

पक्की तो मायु अल्प पाल्को नीवापावा उल्लेखा चालियानी चांगरदम हवे तेम

जान नानी शी वासनी रुही मारी मूर्ति भेतरवी वेर जात शीघी गयो.

हा! शैशव सप्त बोयु हुन ने वायरे तो बा भोजी हली, अये तो मोरा वर्दन अंटी वाडी

वाणा ज्वानमा चोरकर पाला बोट खायलो वेचे निम्बु रही आकानी उपर क्वेम

पालानु रिंदु पाल्को नावले तेनी ज्वानो आपी गयु छु.

हजाये मने शु जींजे तेनी मने नवी भजर.

-भुवार्थी "अववृत्त" (अभेदिका)

प्रेम क्वेम जेतु जो क्वाई होय तो भतावो, क्वाई पक्की जो सार्वु होय, तो भतावो. देके पोतानी पूलोंवो लहने चाहे छे, शेइनु भास्य लाहुं होय तो भतावो. वहेकी रहे छे अन्तर्भार अंगो द्राम, शेइ पांपक जो क्वाई होय तो भतावो.

अं ज्ञेहे छे, जे छास्त्री लीकी नी रास्ता, शेइ प्रेम क्वाई आयु होय तो भतावो.

अंगत होय के पाराका रो परभाय ज्य सम्पे,

शेइ स्वार्थ वर्दन पक्की जो सहेज होय तो भतावो.

-क्वाई रेजन (अभेदिका)

हृदयान् पूजी पटके वात, हु आजे नवी हृदयात.

मा, तारो ज अंस तारो ज पीड, हु जन्मोजम भनवा चहु...

मा, अंदर लहर तने सीवी लीमी, नेवा छिंदगी में ज्वावी लीमी...

हु मारी पाण पक्की जो... मारन आत्मवन्धु...

मारो पक्की प्रकाश अने, मारी आकाश पक्की तु ज.

मारे सम्प्रभ अस्तित्व, अने, पूर्वु व्यजित तु ज.. मा.

आरा, तारा पाल्को नीउगेह मारा श्वासमा बधु छे...

मारो आनाना अवाज अने, मारी भुदानी नमाज पक्की तु...

सिवाय देवारी अरती अने, जांजी दिवाभनी पक्की तु जे मा...

अजर छे तने, दीक्षार्थीमां ज्ञानी छे,

आज एक "मा".

-रेखा लोधी (अभेदिका)

आपी हुनिया हुंकी पडे ज्यारे वात मारी मा ना प्रेमना आये

जेना प्रेमने क्वारेट पांपक ना नें ए मा

हुनियाना भास्य हुंको ज्ञाना देन एकेवो भा

मा एटेके पक्की नी अन्त ताप्य नी मुरुत

मा भेदेके शोटी नीही, मा सोमेव शोटी नीही

मा भेदेके मुंगा आसावाद

मा एटेके व्याव तो वस्ताव

मा एटेके मीठा ज्ञान नो व्याव भरेवो विरपे

मा एटेके हुद्य महिर रेतो दिवडे

मा एटेके ममता नो अंगनो

मा एटेके अमृत भरेवो द्वियो

मा विरो तो क्वेम छु एकेवो ओयु

मा हु मा लाली वग्या ना वा

-सुनिता जो, पालवीया (कुरुत)

मारी रेज रेग्या तु छे मा,

नालक शेहुं हु तंत ज्ञाना, मा,

ज्ञ भने आपा ने शुशी ने शास्त्री, मा,

हु तारा रेज ना ज्ञी शी शास्त्री, मा,

तारा उपवने संकराव ना दिंशनी, मा,

महेक उड्यु भास्त ज्ञवन, मा,

वग्या नी मुजने सासरे ते पथर भनी, मा,

शास्त्राना कट्टा ने अणोडी रेतो, मा,

आंगो मां समेदर लेया छे आंगु लूपी फूर्ना, मा,

बनी ज्ञाने रेपर्हु घोप्पे, मा,

अनुभुति क्वी ढेत्ता लव्वारे, मा,

ह्यात नीही तु सदेहे मारी साथे, मा,

अंतरना पटमा वास दहा तारो, मा,

अर्पू भासांगी अंतरना अशुद्धी, मा,

आपेक आशिया सदा च्युत देतो, मा,

मा तु नेत सलाम, मा,

-रेखा लाली भड (कुरुत)

मा अवैक्किक नाम

मारी देक पातोमां खुशी ज्ञेवा जेना नाजुक चरेवे
वर्ह ज्यव्यालो ते छे वहावी मारी मा,
हु लिखु ने ज्ञेवा तारी अंगो मालू खु ज्ञेवे रेज जेना
थाय सवारे ते छे वहावी मारी मा,
या पा वहावी करत पत्तो हु ने भेने रेजी ज्ञेवे जेना
नेष अपे भराते ते छे वहावी मारी मा,
एक देश ना वाग्या दे भेने पु ज्ञेवे जे टुक्रा
देव वारेमपत तेवे वहावी मारी मा,
वहावी करत वारी अंगो नो ज्ञेवे जे ग्याव
जेना क्षमोमा दोइता दोइता खु व्याव छे ग्याव
जेना वारी ते छे वहावी मारी मा,
लाय लालातु छु वारो छे मारी तारो साल्हो
पा, व्याव, हुनियाद्यारी रीत छे ग्याव लाय लालातु
जे वहावी मारी मा,
त्यु तु तारो द्यूर छात्न भारी वारी अंगो व्याव लाय लालातु
ने एमो साल्हो वहावी चोरो चोरो व्याव लाय लालातु
जे वहावी मारी मा,
ज्ञेवे ज्ञेवे जे वहावी ज्ञेवे जे ग्याव

जेने क्षु एक व्याव भोज व्याव जे वहावी ज्ञेवे जे ग्याव

तारा क्षु व्याव भोज व्याव जे वहावी ज्ञेवे जे ग्याव

जेने क्षु व्याव भोज व्याव जे वहावी ज्ञेवे जे ग्याव

जेने क्षु व्याव भोज व्याव जे वहावी ज्ञेवे जे ग्याव

जेने क्षु व्याव भोज व्याव जे वहावी ज्ञेवे जे ग्याव

जेने क्षु व्याव भोज व्याव जे वहावी ज्ञेवे जे ग्याव

जेने क्षु व्याव भोज व्याव जे वहावी ज्ञेवे जे ग्याव

जेने क्षु व्याव भोज व्याव जे वहावी ज्ञेवे जे ग्याव

जेने क्षु व्याव भोज व्याव जे वहावी ज्ञेवे जे ग्याव

जेने क्षु व्याव भोज व्याव जे वह

‘મહર્ષિ પતંજલિ પ્રવર્તિત અષ્ટાંગ યોગના બે અંગાં : યમ અને નિયમ’ વિષયક વ્યાખ્યાન પોજાયું



ગાંધીનગર, નિયામકશ્રી, પ્રો. ડૉ. પૂ. શ્રુતિપ્રકાશદાસ સ્વામી તેમજ અન્ય મહાનુભાવો ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. આ કાર્યકમની શરૂઆત પ્રાર્થનાગાન તેમજ દીપપ્રાગટ્યથી થઈ. આર્થ શોધ સંસ્થાન અભિરચામ ગાંધીનગરના કચેરી અધીક્ષક પ્રશાંત બહે મહાનુભાવોનું શાન્દિક સ્વાગત કરી પુષ્પહારથી સ્વાગત કર્યું હતું. તેમજ રોટરી કલબ ઓફ કેપિટલ, ગાંધીનગરના પ્રમુખ પાર્થ ઈકરે પ્રસંગોચિત ઉદ્ભોધન કર્યું હતું. “મહર્ષિ પતંજલિ પ્રવર્તિત અણાંગ યોગના યમ અને નિયમ બે અંગમાંથી યમ” વિષયક વક્તાવ્ય રજૂ કરતા પ્રો. ડૉ. પૂ. શ્રુતિપ્રકાશદાસ સ્વામીએ જણાયું કે, ઔષધ વગર સ્વાસ્થ્ય આપનાર અને યુદ્ધ વગર શાંતિ આપનાર મહામૂલું ધન એટલે ‘યોગ’. તેથી જ સંયુક્ત રાણ્ણસંધ યુનોએ ૨૧ જૂન ‘વિશ્વ યોગ દિન’ તરીકે આરક્ષિત રાખ્યો છે. આ ભારતીય મૂલ્યોનું બહુમાન છે. પરંતુ ભારતીય તરીકે આપણે યોગને ખરેખર સમજીએ છીએ ખરા? એ વિચાર કરવા માટે આ પ્રવચનનું આયોજન કર્યું છે. સાધારણ રીતે આપણે શરીર સ્વાસ્થ્ય અને મનના સ્વાસ્થ્ય માટે યોગની સાધનામાં આસન અને પ્રાણાયામ કરીએ છીએ. પૌરાણિક સાહિત્યમાં

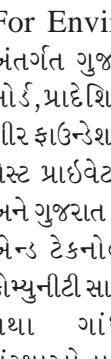
સમી તાલુકાના રવદ ગામે બાળકો માટે સમર કેમ્પ યોજાયો,
બાળકો જૂની રમતો રમ્યા, ગામડાની સંસ્કૃતિથી અવગત થયા

A photograph showing a man from a side-on perspective, focused on operating a traditional wooden spinning wheel (charkha). He is wearing a white long-sleeved shirt, grey trousers, and a white shawl draped over his shoulders. The charkha is made of wood and has a prominent large flywheel on the right side. He is looking down at the wheel as he turns it. The background shows a window and some other equipment, suggesting a workshop or a museum environment.

આવો. દાતાશ્રાઓ દ્વારા દાનના સરવાણી કરવામાં આવી. જેમાં પ્રથમ દિવસે શરૂઆતમાં સદગુરુદેવશ્રી ૧૦૦૮ શક્તિ પિઠાધીશ્વર પરમ પૂજ્ય મારીશ્રી બાબુભાઈ પટેલ સુરત (ખારીધારીયાલ) વાળા જ્યમાડી ચેરીટેલ ટ્રસ્ટ સુરત તરફથી તમામ વિદ્યાર્થીઓ અને કાર્યકરોને ટોપીઓ આપવામાં આવી. બાદમાં વિવિધ રમતો જેવી કે કબડી, ખોખો, ગીલીદંડો, ગરગડી, ગેડી દંડો, લખોટી, ભરડા, વગેરે રમાડવામાં આવી. બપોરે મારીના રમકડાં બનાવવામાં આવ્યા. બપોરબાદ ફરીથી રમતો રમાડવામાં આવી જેવી કે કાગળ કામ, ઠીકરાની ચકરડી, કાળા દોરાની ગુંથણી, દોરી વાણાટ, ખાટલા ભરવા, કુકા, ચકા, સોગટબાજી, કોડી ની રમતો, જૂની રમતો રમાડી હતી. ત્યાર બાદ સાંજના ૬:૩૦ કલાકે ગામના મંદિરે મહા આરતી અને હનુમાન ચાલીસા કરવામાં આવી. અને ગામી વિશ્વાબેન પ્રવીણકુમાર નો જન્મદિવસ ભારતીય સંસ્કૃતિ પ્રમાણે ઉજવવામાં આવ્યો. તેમજ રાત્રે ભવાઈ નો કાર્યક્રમ રાખવામાં આવ્યો. મનોરંજન ની જૂની પરંપરા જાળવી રાખવામાં આવી. તેમજ રાત્રે ૮૦ બાજુકોને ત્યાર રવદ ગામના જ લાકો નોકરી ધંધા રોજગાર માટે વતનથી અન્ય જગ્યાએ સ્થાઈ થયા છે. તે તમામ પરિવારજનો પણ આ બે દિવસ માટે પોતાના માદરે વતનના ઘરમંદિરના દ્વાર ખોલી ઘર આંગણને રંગોળી અને રોશનીથી જગ્હળતું કરવામાં આવ્યું છે. જેનાથી રવદ ગામની સંસ્કૃતિ અને મહેમાનગતિની સુવાસને સમગ્ર પંથકમાં ચાર ચાંદ લાગી ગયા છે. ત્યારે આ કાર્યક્રમ ને સફળ બનાવવા માટે રવદ ગામના સમગ્ર સત્યાવીસ લેઉવા પાટીદાર સમાજનાં આયોજકો તો સુખનું સરનામું માર્યું રવદ ગામ દેખાય છે. હાલો ભેરુ ગામડે.. જેવા સ્લોગન બનાવી લોકોને તેમના વતનની મીઠાશ માણવા આવકારવામાં આવી રહ્યા છે. બીજા દિવસે સમર કેમ્પમાં ૫૮૦ થી વધુ બાળકો સમર કેમ્પમાં ભાગ લેવા માટે આવ્યા છે. સમર કેમ્પમાં ભાગ લેનાર બાળકોએ સવારે ૬:૦૦ કલાકે પ્રભાતફેરી ગામમાં ફેરવવામાં આવી સાથે સાથે સ્વચ્છતા અભિયાન પણ કરવામાં આવ્યું. યોગ સહિત બાળકોની જૂથ પ્રવૃત્તિઓ અને રમતો રમાડવામાં આવી. ત્યારબાદ ૧૭ ટ્રેક્ટર ભરી તમામ બાળકોને લોહેશ્વર (લોટેશ્વર) મહાદેવ ના દર્શન કરવા લઈ જવામાં

આતંકિક મુક્તિનો છે. જે બીજા ઘણા વિષયો સમજવાના બાકી છે તેનો જ્યાલ આપે છે. આમ, યમ અને નિયમ મનને કેળવવાનાં અંગો હોવાથી તેમજ મનને બાધ્ય બાબતો પર સંયમ રાખતા શીખવતા હોવાથી તેનો સમજવેશ બહિરંગમાં કરવામાં આવ્યો છે. રોટરી કલબ ઓફ કેપિટલ, ગાંધીનગરના શ્રી અરવિંદભાઈ રાણાએ “મહર્ષિ પતંજલિ પ્રવર્તિત અષાંગ યોગના નિયમ અંગ” વિષય પર વાત કરતાં જગ્યાવ્યું હતું કે, યમ અને નિયમનો સંબંધ આંતરિક કરતા બાધ્ય વધારે છે. જેમાં નિયમ એ વ્યક્તિગત લાભ આપે છે. જેમ યમના પાંચ અંગ છે તેમ નિયમના પણ શૌચ-શુદ્ધિ, સંતોષ, તપ, સ્વાધ્યાય અને ઈશ્વર-પ્રણિધાન એમ પાંચ અંગ છે. જેમાં શૌચ અર્થાત્ સ્વચ્છતા અને પવિત્રતા વધારે જરૂરી છે. બાધ્ય કરતા આંતરિક શુદ્ધિ વધારે જરૂરી છે. તેમણે આ વિષયો પર પ્રકાશ પાથરતા જગ્યાવ્યું હતું કે - ધ્યાન એવા પ્રકારનું કરવું કે અંદરથી હોર્મોન્સ બદલાય જાય. અત્યારે માણસને ધ્યાન કરવાની ટેવ નથી તેથી ટ્રેશ-ચિંતા વધુ ઉત્પત્ત થાય છે. પૈસાવાળાનું સન્માન થવું જોઈએ પરંતુ તેને કરેલ ત્યાગ-દાનને કારણે સન્માન થવું જોઈએ. યોગ કરનાર સાધકે પ્રામાણિક પુરુષાર્થથી જે મળે તેનાથી વધારે ઈશ્વરન રાખતાં જે પ્રામ થયું એનાથી સંતોષ રાખવો જોઈએ. તપ એટલે દુંદ, માન-અપમાન વગેરેને સહન કરવું તે તપ. સામેના વ્યક્તિના અવગુણોને

લૂ સામે રક્ષણ માટે ગાંધી દ્વારા અલગ અલગ વિસ્તા



ગાંધીનગર,

અત્યારે હાલમાં ગાંધીનગરમાં ગરમીનો પારો વધી રહ્યો છે. મહાનગરપાલિકા વિતારમાં ૪૩ ડિગ્રી કરતા વધુ તાપમાન નોંધાઈ રહ્યું છે જેના પગલે ગાંધીનગર મહાનગરપાલિકા દ્વારા ઓરેન્જ એલટ જાહેર કરવામાં આવ્યું છે. ગાંધીનગર મહાનગરપાલિકા વિસ્તારમાં લૂ લાગવાના કારણે

જોતાં તેના સહૃદ્યો જોઈને આગળ વધું તે તપ. સ્વાધ્યાય એટલે આત્મનિરીક્ષણ. એવા શાસ્ત્રોનું નિયમિત વાંચન કરવું જેનાથી આધ્યાત્મમાં આગળ વધી શકાય. જ્ઞાનનું ક્ષેત્ર વિશાળ છે. મોક્ષ સાથેનું અધ્યયન. આપણા જીવનમાં પ્રત્યે કેટલા વફાદાર છો તેનું સતત નિરીક્ષણ દિવસ દરમિયાન કરવું જોઈએ. ઈશ્વર-પ્રણિધાન એટલે આપણા જીવનમાં જે કંઈ બને તેની પાછળ કોઈ મહાન સત્તા છે એવો સતત ઘ્યાલ રાખી જે કંઈ કરીએ તે ઈશ્વરને ચરણો સમર્પિત કરવું જોઈએ. સાધુનાં ભગવાં વસ્ત્ર પણ ઈશ્વર સમર્પિતનું પ્રતિક છે.

યમ અને નિયમનાં પાંચ-પાંચ અંગ આચરણમાં ન આવે તાં સુધી આધ્યાત્મિક ઉશ્રતિ શક્ય નથી. સમાધિ પ્રાપ્ત કરવામાં યમ અને નિયમ સાધન છે સાધ્ય નથી. યોગમાં પ્રવેશ કરતાં સાધકોએ પાતંજલિ યોગનો સંપૂર્ણ અભ્યાસ કરવો જોઈએ એવી વાત કરી પોતાનું વક્તવ્ય પૂરું કર્યું હતું. મ્રવચનને અંતમાં પૂ. શુત્પ્રકાશદાસ સ્વામી અને શ્રી અરવિંદભાઈ રાણાએ શ્રોતાઓએ પૂછેલા પ્રશ્નોના સંતોષકારક જવાબ આપ્યા હતા. આમ, આર્જ મીર્ઠીગ હોલ અકારધામ, ખાતે મહર્ષિ પતંજલિ પ્રવર્તિત અધ્યાત્મ યોગના બે અંગ : યમ અને નિયમ” વ્યાખ્યાનનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. સભાના અંતમાં આર્જ શોધ સંસ્થાન કચેરી અધીક્ષક શ્રી પ્રશાંત ભવું દ્વારા આભારવિધિ કરવામાં આવ્યો હતો.

નગર મહાનગરપાલિકા વરોમાં ORSનું વિતરણ કોઈ વ્યક્તિને તકલીફ ન પડે તે માટે માન. મેયરશ્રી હિતેષભાઈ મકવાણાની સૂચનાથી જુદા જુદા વિસ્તારમાં ORS ના પેકેટનું વિતરણ કરવામાં આવ્યું.

ગાંધીનગરના બસ સ્ટેન્ડ, સે-૧૧ તથા સેકટર-૬ માં આવેલ યોગી બસ સ્ટેન્ડ પર ORSના પેકેટનું વિતરણ કરવામાં આવ્ય. આ ઉપરાંત ૧૫૦ થી વધુ આશા વર્કર, ૫૦ મલ્ટીપર્ફિલેટ વર્કરને જરૂરી જથ્થામાં ORSના પેકેટ આપેલ છે તેમજ ૧૦ અર્બન હેલ્પ સેન્ટર ખાતે લૂ લાગવાથી કોઈ તકલીફ ન થાય તે માટે જરૂરી સારવાર માટે સગવડ કરવામાં આવેલ છે તેમજ અર્બન હેલ્પ સેન્ટર ખાતે ORS પેકેટ મળી રહે તે માટેની પણ વ્યવસ્થા કરવામાં આવેલ છે.

ગાંધીનગરમાં ૫ મી જુન સુધીના, રવિવાર દરમાન અભિયાન છે. ઘર અને ઓફિસની સફાઈ દરમિયાન આવો વેસ્ટ નીકળતો હોય છે. નજીવી રકમ માટે આપણે આવો વેસ્ટ ફેરિયાઓને આપી દઈએ છીએ. આ લોકો તેમને ઉપયોગી હોય તેવી ચીજ વસ્તુઓ કાઢી લઈ બાકીનો કાટમાળ ગમેત્યાં ફેકીદઈ પ્રદૂષક ફેલાવતા હોય છે.

ઘરમાંથી નીકળતા આ ઈ-વેસ્ટમાં ઘણી હેવી મેટલ્સ અને રસાયણો હોય છે જે જોખમી અને નુકશાનકારક હોય છે. તેથી આ ઈ-વેસ્ટનું યોગ્ય રીતે વ્યવસ્થાપન થાય તે જરૂરી છે. ઈ-વેસ્ટ કલેક્શન અભિયાન દરમિયાન એકન્નિત થયેલ સામાન સરકાર માન્ય રીસાયકલર ધ્વારા ૪ તેનો યોગ્ય નિકાલ થાય છે. ગાંધીનગરના પાર્યવરણની જાળવણી માટે ગાંધીનગરના નાગરિકોને આ અભિયાનમાં જોડાવવા નમ અપીલ છે. તારીખ. ૫ મી જુન સુધી દર શનિવાર, રવિવાર દરમિયાન સવારે ૧૧:૦૦ થી સાંજના ૫ :૦૦

સર્વિદ્યાનંદ પરબ્રહ્મ ડૉ. જ્યંત આઠવલેજીનો ‘બ્રહ્મોત્સવ’
૧૦,૦૦૦ સાધકોની ઉપસ્થિતિમાં ભાવપૂર્ણ વાતાવરણમાં સંપત્ત !



મહારોળ ખાતેના શ્રી મહાલસા મંદિરના અધ્યક્ષ શ્રી. પ્રેમાનંદ કામત, ગોમંતક સંત મંડળના સંચાલક હ.ભ.પ. સુહાસ બુવા વજે, ગોમંતક મંદિર મહાસંઘના અધ્યક્ષ શ્રી. ભાઈ પંડિત અને કોકણી સાહિત્યિક મહેશ પારકર આદિ માન્યવરો ઉપસ્થિત હતા.

કાર્યક્રમના આરંભમાં વર્ષ ૨૦૨૧માં સંપત્ત થયેલા સંચિદાનંદ પરબ્રહ્મ ડૉ. આઠવલેછના જન્મોત્સવનો લધુપટ બતાવવામાં આવ્યો. ત્યાર પછી કાઢવામાં આવેલી રથયાત્રામાં ધર્મધજ, મંગલકલશ લીધેલી સુવાસિનીઓ, ધજપથક, ઝાંઝપથક ઈત્યાદિ ‘શ્રીમદ્ભારાયણ નારાયણ.....’ આ ધૂન પર માર્ગક્રમણ કરતા હતા. સુવર્ણરથમાં સંચિદાનંદ પરબ્રહ્મ ડૉ. આઠવલેછ સાથે ૪ તેમની ઉત્તરાવિકારિણીઓ શ્રીસત્શક્તિ (સૌ.) બિંદા સિંગબાળ અને શ્રીચિત્શક્તિ (સૌ.) અંજલી ગાડગીળ બિરાજમાન થયાં હતાં. આ સમયે નૃત્યપથકે ‘અચ્યુતાષ્કમ’ પર આધારિત નૃત્ય પ્રસ્તુત કર્યું. ત્યાર પછી ‘આભારામ આનંદરમણા’ આ ગીત પ્રસ્તુત કરવામાં આવ્યું. આભારપ્રદર્શન અને રથદર્શનથી કાર્યક્રમનું સમાપન કરવામાં આવ્યું. પરાત્પર ગુરુ ડૉ. આઠવલેછના જન્મોત્સવ નિમિત્તે એપ્રિલ અને મે આ બે માસમાં સનાતન સંસ્થા દ્વારા સમગ્ર દેશમાં ‘હિંદુ રાષ્ટ્ર જાગૃતિ અભિયાન’ હાથ ધરવામાં આવી રહ્યું છે. તેના અંતર્ગત હજી સુધી અનેક પ્રાચીન મંદિરોની સ્વરચ્છતા, સેકડો મંદિરોમાં હિંદુ રાષ્ટ્રની સ્થાપના માટે સામૂહિક પ્રાર્થના, પ્રવયનો અને અનેક ઠેકાણે ‘હિંદુ એકતા ફેરી’ કાઢવામાં આવી. આ સર્વ ઉપક્રમોમાં હજારો હિંદુઓ સહભાગી થયા હતા.



દસ્તાવેજો બનાવી ખોટી બનાવટ કરી
અરજદારની પ્રતિષ્ઠાને હાની પહોંચાડી
તથા આવા ખોટા દસ્તાવેજોની અવેજમાં
રૂ. પાંચ લાખ જેટલી માત્રાબાર રકમ
આરોપીઓએ મેળવી ગુનાહીત કાવતરૂ
કરેલ હોવાની હકિકત
અરજદારશ્રીનાઓએ જણાવતા જે
બાબતે તા. ૦૩/૦૫/૨૦૨૩ ક. ૧૪/
૧૯ વાગે પ્રિન્સીપાલશ્રી વાગદેવી સ્કુલ
ઓફ નર્સિંગ, બેગલોર ખાતે તેઓના ઈ-
મેઈલ એડ્રેસ
vagdevicon@gmail.com ઉપર
અતેની એસ. ઓ. જી કયેરીના ઈ-મેઈલ
એડ્રેસ acpsog@gmail.com
(ઉપરથી ઈ-મેઈલ કરી સદરહ
કણાવતી કોસ રોડ નજીક વસ્ત્રાલ
અમદાવાદ શહેરની ઓફિસે જઈ
તપાસ કરતા અરજદારશ્રી કિલ્વાબેન
શૈલેખભાઈ પંચાલ નાઓનું વાગદેવી
સ્કુલ ઓફ નર્સિંગ, બેગલોરનું ઔગસ્ટ
૨૦૧૭, ઓગસ્ટ ૨૦૧૮, સાટેભર
૨૦૧૯ તથા સાટેભર ૨૦૧૯ ની ૦૪
માર્કશીટો તથા અરજદારશ્રી સાહેદ
કિલ્વાબેન શૈલેખભાઈ પંચાલ નાઓનું
વાગદેવી સ્કુલ ઓફ નર્સિંગ, બેગલોરનું
સાટેભર ૨૦૧૯ તથા સાટેભર
૨૦૧૯ ના ૦૨ ડિશ્રી સર્ટીફિકેટ તથા
સુર્યા સ્કુલ ઓફ નર્સિંગના લેટરપેડના
કોરા પાના નંગ-૭ તથા એક પાનકડી
શ્રીજી કાન્દેશનનં તથા એક રાકેશ

લૂ સામે રક્ષણ માટે ગાંધીનગર મહાનગરપાલિકા
દ્વારા અલગ અલગ વિસ્તારોમાં ORSનું વિતરણ
 કોઈ વ્યક્તિને તકલીફ ન પડે તે
માટે માન. મેયરશ્રી હિંદેખભાઈ



કોઈ વ્યક્તિને તકલીફ ન પડે તે માટે માન. મેયરશ્રી હિતેષભાઈ મકવાળાની સૂચનાથી જુદા જુદા વિસ્તારમાં ORS ના પેકેટનું વિતરણ કરવામાં આવ્યું.
ગાંધીનગરના બસ સ્ટેન્ડ, સે-૧૧ તથા સેકટર-૬ માં આવેલ યોગી બસ સ્ટેન્ડ પર ORSના પેકેટનું વિતરણ કરવામાં આવ્યું. આ ઉપરાંત ૧૫૦ થી વધુ આશા વર્કર, ૫૦ મલ્ટીપર્સન હેલ્પ વર્કરને જરૂરી જથ્થામાં ORSના પેકેટ આપેલ છે તેમજ ૧૦ અર્બન હેલ્પ સેન્ટર ખાતે લૂ લાગવાથી કોઈ તકલીફ ન થાય તે માટે જરૂરી સારવાર માટે સગવડ કરવામાં આવેલ છે તેમજ અર્બન હેલ્પ સેન્ટર ખાતે ORS પેકેટ મળી રહે તે માટેની પણ વ્યવસ્થા કરવામાં આવેલ છે.

ગાધાનગરમા પ મા જુન સુધી

દર શનિવાર, રવિવાર દરમ્યાન ઈ- વેસ્ટ કલેક્શન અભિયાન યોજાશે

Mission life ,Life Style
For Environment Theme
અતર્ગત ગુજરાત પ્રદૂષણ નિયંત્રણ
બોર્ડ, પ્રાદેશિક કચેરી, ગાંધીનગર, ઈ-કોલી
વેસ્ટ પ્રાઇવેટ લીમિટેડ, અમદાવાદ
અને ગુજરાત કાઉન્સિલ ઓન સાયન્સ
એન્ડ ટેકનોલોજી, પ્રેરિત નિસર્ગ
કોચ્ચુનીટી સાયન્સ સેન્ટર, ગાંધીનગર
તથા ગાંધીનગરની જાગૃત
સંસ્થાઓના સહયોગથી ઈ-વેસ્ટ
કલેક્શન અભિયાનનું આપોજન
કરવામાં આવેલ છે. આપણા રોજંદા
વપરાશમાં બિનઉપયોગી થયેલ અનેક
ઈલેક્ટ્રોકલ અને ઈલેક્ટ્રોનિક
વસ્તુઓ જેવી કે બલ્બ, સીઅફએલ,
એલઈડી, ડીવીડી લોમ્પ્સ,
ટ્યુબલાઇટ, ટેલિવિઝન,
રેફિજરેટર, વોશિગમશીન,
એરકન્ડિશનર કોપીંગ મશીન,
ઈલેક્ટ્રોનિક્સ ટાઇપરાઇટર, ટેલેક્ષિન્સ
કુસ મશીન, પ્લેટન-કોર્ટલેસ
ટેલિફોન, સેલ્ફ્યુલર ફોન, આન્સરિંગ
મશીન, પ્રિન્ટર કાર્ટિઝ વગેરે ઈ-વેસ્ટ

છે. ધર અને ઓફિસની સફાઈ દરમિયાન આવો વેસ્ટ નીકળતો હોય છે. નજીવી રકમ માટે આપણે આવો વેસ્ટ ફેરિયાઓને આપી દઈએ છીએ. આ લોકો તેમને ઉપયોગી હોય તેવી ચીજ વસ્તુઓ કાઢી લઈ બાકીનો કાટમાળ ગમેત્યાં ફેક્રીદી પ્રદૂષણ ફેલાવતા હોય છે.

ધરમાંથી નીકળતા આ ઈ-વેસ્ટમાં ઘણી હેવી મેટલ્સ અને રસાયણો હોય છે જે જોખમી અને નુકશાનકારક હોય છે. તેથી આ ઈ-વેસ્ટનું યોગ્ય રીતે વ્યવસ્થાપન થાય તે જરૂરી છે. ઈ-વેસ્ટ કલેક્શન અભિયાન દરમિયાન એકન્ટ્રિત થયેલ સામાન સરકાર માન્ય રીસાયકલર ધ્વારા જ તેનો યોગ્ય નિકાલ થાય છે. ગાંધીનગરના પદ્ધતિવરણની જાળવકી માટે ગાંધીનગરના નાગરિકોને આ અભિયાનમાં જોડાવવા નમ્ર અપીલ છે. તારીખ. ૫ મી જુન સુધી દર શનિવાર, રવિવાર દરમિયાન સવારે ૧૧:૦૦ થી સાંજના ૫ :૦૦

વાગ્યા સુધી નિસર્ગ કોમ્પ્યુનીટી સાયન્સ સેન્ટર, બ્લોક નંબર-૬૧/૧, ઘ-ટાઈપ, સેક્ટર-૨૩, લગ્નવાડી ની બાજુમાં, ગાંધીનગર ખાતે ઈ-વેસ્ટ સ્વીકારવામાં આવશે. અને જમા કરાવેલ ઈ-વેસ્ટનું નિયમ મુજબ ટોકન વળતર તથા પહોંચ પડ્યા આપવામાં આવશે. આ અભિયાનમાં ગાંધીનગરની જાણીતી સંસ્થાઓ જેવી કે ગાંધીનગર સમાચાર, ગાંધીનગર શહેર વસાહત મહાયંડળ, લાયન્સ કલબ ઓફ ગાંધીનગર ફેભિના, રેડ કોસ સોસાયટી, ગાંધીનગર. આત્મન ફાઉન્ડેશન ગાંધીનગર, રોટરી કલબ ઓફ કેપિટલ, ગાંધીનગર, ત. જી. ચ સંગીની ફોરમ, ગાંધીનગર, ઉમિયા માતાજી સંસ્થાન, ગાંધીનગર, જ્યોતિ મહિલા મંડળ, ગાંધીનગર, સૌરાષ્ટ્ર કરછ સેવા સમાજ, ગાંધીનગર. નેચર ફસ્ટર્, ગાંધીનગર. ગાંધીનગરમાં સેવારત અન્ય સામાજિક અને ધાર્મિક સંસ્થાઓ પણ આ અભિયાનમાં જોડાય તે માટે નમ્ર અપીલ કરવામાં આવે છે.

2022 વાર્ષાના હાલાતો હાલાતો આવા પ્રકારના કોઈપણ દસ્તાવેજો તેઓના રેકર્ડમાં અરજારશી પંચાલ કિલ્પાબેન જીવણલાલના નામે નોંધાયેલ નહીં હોવાનું પત્ર ઈ-મેઈલ થી આવતા પ્રથમ દસ્તીએ આ કામના નર્સિંગના સર્ટીફિકેટો બોગસ જરૂએ આવતા શ્રીજ પેરામેડીકલ ઇન્સ્ટીટ્યુના ડાયરેક્ટર આરોપી રકેશ કાંતિભાઈ પટેલ રહે-વર્ધના મુવાડા, પટેલવાસ, તા. દહેગામ જી. ગાંધીનગર તથા તેના મળતીયા સહ આરોપી મૌલીક પ્રવિષભાઈ રામી રહે-એ/૧૦૧, સરલ શ્રીમ ફ્લેટ, વસ્ત્રાલ, અમદાવાદ વાળાઓના વિરુદ્ધધમાં ડી.સી.બી. પોલીસ સ્ટેશન ગુ.ર.નં-૧૧૧૮૦૧૧૨૩૦૧૨૪/૨૦૨૩ ધી ઈ.પી.કો. ૪૧૭, ૪૨૦, ૪૬૫, ૪૬૭, ૪૬૮, ૪૬૯, ૧૨૦ (બી) મુજબ તા.૦૪/૦૫/૨૦૨૩ ના રોજ ગુનો દાખલ કરી આગળની તપાસ અર્થે પો.સ. ઈ.શ્રીજ.બી.દેસાઈ નાઓ તરફ તેચ્યુટ કરેલ જેમાં આ કામના આરોપીની સરદાર પટેલ વોકેશનલ એજ્યુકેશન, કે-૩-૨ સહજ કોમ્પ્લેક્સ રાકેશકુમાર કાંતિભાઈ પટેલ નાઓના નામનું શ્રીજ ફાઉન્ડેશનની નોંધથીનો દાખલો તથા બિહાર સંસ્કૃત શીક્ષણ બોર્ડ પટનાનું ટક્કર સુભાષ હરીવદનના નામનું રોલ નં. બી-૭૮૮૮૮૦૧ વાળી માર્કશીર તથા એડમીટ કાર્ડ તથા માઈગ્રેશન-કમ-ટ્રાન્સફર-સર્ટીફિકેટ તથા બિહાર સંસ્કૃત શીક્ષણ બોર્ડ પટનાનું પટેલ તીર્થ જ્યેશભાઈના નામનું રોલ નં. બી-૭૦૬૫૨૨૦ વાળી માર્કશીર તથા એડમીટ કાર્ડ તથા માઈગ્રેશન-કમ-ટ્રાન્સફર-સર્ટીફિકેટ તથા પ્રોવિઝનલ સર્ટીફિકેટ તથા બિહાર સંસ્કૃત શીક્ષણ બોર્ડ પટનાનું કુહીકર હર્ષ જીતેન્દ્રભાઈના નામનું રોલ નં. બી-૭૦૬૫૨૩૨૧ વાળી માર્કશીર તથા એડમીટ કાર્ડ તથા માઈગ્રેશન-કમ-ટ્રાન્સફર-સર્ટીફિકેટ તથા પ્રોવિઝનલ સર્ટીફિકેટ તથા અલગ-અલગ બેંકોની પાસબુકો, ચેકબુકો તથા બજાજ ફિયાનાન્સનું ઈસ્ટ કાર્ડ તથા ભાડા કરાર તથા નગરપાલીકાનું લાયસન્સ તથા મોખ્યાલ ફોન નંગ-૦૩ મળી આવેલ છે.